द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया के वार्षिक समारोह के अवसर पर माननीय लोक सभा अध्यक्ष के उपयोगार्थ प्रारूप भाषण

----

07 फरवरी 2020

स्थल – अशोक होटल, नई दिल्ली

_____

सबसे पहले, मैं द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउन्टेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) के वार्षिक समारोह के शुभ अवसर पर मुझे आमंत्रित करने के लिए आयोजकों को धन्यवाद देता हूं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर आप सबके बीच आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है।

मैं इस संस्था की स्थापना के 70वां वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संस्थान के प्रबंधन, शिक्षकवृंद, शिक्षकेत्तर कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। इस अवसर पर मेडल प्राप्त करने वाले सभी छात्रों, क्षेत्रीय काउंसिल और सर्वोत्तम ब्रांच का पुरस्कार प्राप्त करने वालों को भी बधाई।

मैं लेखा-कार्य के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स इंडिया (आईसीएआई) द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों के लिए उनका हार्दिक अभिनंदन करता हूं।

साथियो, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आई.सी.ए.आई.) देश का एक प्रमुख लेखा संस्थान है। अपने 70 वर्षों से अधिक के कार्यकाल में आई.सी.ए.आई. ने भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

इस संस्थान ने फाइनेंशियल रिपोर्टिंग के साथ-साथ एथिकल प्रैक्टिस के लिए मानकों को निर्धारित करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। कारपोरेट गर्वनेंस प्रथाओं के ट्रस्टी के रूप में भी इस संस्थान को काफी प्रसिद्धि मिली है।

वर्ष 1949 में मात्र 1700 सदस्यों वाला यह संस्थान आज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा संस्थान बन गया है, जिसके पास तीन लाख से अधिक ऐसे सदस्य हैं जो लेखा सेवा के पेशे या सरकारी या निजी क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। मुझे यह भी बताया गया है कि आई.सी.ए.आई. में 7.5 लाख से अधिक विद्यार्थी हैं और 2 लाख से ज्यादा आर्टिकिल्ड असिस्टेंट्स भी हैं। ये सभी मिलकर इसे एक बडा ऑडिट परिवार बनाते हैं।

देश में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स के पेशे को विकसित करने के लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट अधिनियम, 1949 बना, जिसके तहत 1 जुलाई, 1949 को भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आई.सी.ए.आई.) का गठन हुआ।

वर्तमान में इस संस्थान के 4 रीजनल आफिस, 163 शाखाएं और विदेशों में 30 चैप्टर कार्यरत हैं जो विद्यार्थियों को लेखांकन एवं उससे जुडी हुई अन्य महत्वपूर्ण विधाओं की जानकारी देकर उन्हें कौशलयुक्त एवं दक्ष बना रहे हैं।

सनदी लेखा के क्षेत्र के साथ अनेक वर्षों से जुड़े हुए सभी महानुभावों, आपको देश की संसद ने एक पवित्र अधिकार दिया है। बही खातों में सही को सही और गलत को गलत कहने का, प्रमाणित करने का, ऑडिट करने का, और ये अधिकार सिर्फ और सिर्फ आपके पास है।

मेरे साथियो, समाज की आर्थिक व्यवस्थाएं स्वस्थ रहें, उनमें गलत चीजों का प्रवेश न हो, ये आप देखते हैं। आप देश के अर्थतंत्र के बड़े स्तंभ हैं और इसलिये आप सबके बीच आना मेरे स्वयं के लिये भी शिक्षा और दीक्षा का एक बड़ा अवसर है।

दुनिया भर में भारत के चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को उनकी समझ और बेहतरीन वित्तीय क्षमताओं के लिये जाना जाता है। चूंकि आपको आर्थिक मामलों की पूरी समझ है इसलिए आपको अर्थव्यवस्था का ऋषि-मुनि कहना सर्वथा उचित होगा।

आज चार्टर्ड एकाउंटेट्स (सी.ए.) न केवल वित्त और लेखा के मामलों में व्यावसायिक संगठनों की रीढ़ हैं, बल्कि व्यवसाय सलाहकार, रणनीतिकार और अग्रणी प्रशासकों के रूप में भी महत्वपूर्ण और प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। आप अर्थव्यवस्था और व्यापार के विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी प्रबंधकों के रूप में भी योगदान दे रहे हैं और बहु-आयामी भूमिकाएं निभा रहे हैं।

साथियों, चार्टर्ड एकाउंटेंट का काम अब केवल वित्तीय प्रबंधन नहीं रहा है। चार्टर्ड एकाउंटेंट अब परियोजनाओं की पहचान में भी सहायता करते हैं। ऐसे कार्य तकनीकी, वित्तीय और वाणिज्यिक रूप से कितने व्यावहारिक हैं, इसका मूल्यांकन करते हैं। वे विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाने में दक्ष होते हैं और वह इनकी प्रक्रियाओं के चयन में भी मार्गदर्शन करते हैं।

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स हमारे राष्ट्र के फाइनेंसियल गाइड हैं। आप देश की अर्थव्यवस्था की निगरानी करने वाली संस्था हैं। आप राजकोष के रक्षक भी हैं और देश की जनता की ओर से सरकार के कुशल वित्त प्रशासन पर पैनी नज़र रखने वाले पारखी भी हैं। मैं मानता हूँ कि अगर हम वित्त प्रबंधन की ठीक से निगरानी करें तो कई समस्याएं स्वयं ही सुलझ जाएंगी, इसके लिए चार्टर्ड एकाउंटेंट्स का मुस्तैदी से काम करना आवश्यक है।

आज के वैश्विक युग में विभिन्न देशों के हित अंतर-निहित हैं। देश की अर्थव्यवस्था एक-दूसरे को प्रभावित करती है और परस्पर निर्भर भी हैं। ऐसे में विकास की विभिन्न परियोजनाओं का चयन भी एक गंभीर विषय है। आज की खुली अर्थव्यवस्था में देश की आर्थिक गतिविधियां विश्व की आर्थिक गतिविधियों से जुड़ गई हैं। ऐसे में अर्थव्यवस्था में पारदर्शिता लाने के लिए इन गतिविधियों की निगरानी अत्यंत आवश्यक है। इस कार्य के लिए हमारे राष्ट्र को आप सबके कुशल श्रम एवं योग्य विश्लेषण की आज विशेष आवश्यकता है।

आपकी इसी भूमिका के कारण चार्टर्ड एकाउंटेंट्स को 'अर्थव्यवस्था के रखवाले (Conscience Keepers of Economy)' कहा जाता है। इसीलिए भारत के माननीय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने इस संस्थान को "राष्ट्र निर्माण में भागीदार (Partner in Nation Building)" कहा था।

आज हमारा देश इतिहास के एक और अहम पड़ाव पर है। 1947 में स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद देश का राजनीतिक एकीकरण हुआ। अब आज देश आर्थिक एकीकरण के दौर से एक नई यात्रा को प्रारंभ कर रहा है। आज के

समय में जो एक राष्ट्र, एक कर, एक बाजार का सपना साकार हुआ है, इसमें चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका है।

आज सीए का कार्यक्षेत्र केवल एक लेखाकार, लेखापरीक्षक या कराधान विशेषज्ञ तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि यह वास्तव में बहुमुखी हो गया है। इसमें अन्य कार्यों के अतिरिक्त माल और सेवा कर, इन्वेस्टमेंट बैंकिंग, फंड मैनेजमेंट, क्रेडिट एनालिसिस, मध्यस्थता और दिवाला कानून जैसे अन्य क्षेत्र भी जुड गए हैं। लेखांकन और वित्तीय सेवाओं की पारदर्शिता में सीए की स्थिति अत्यन्त महत्वपूर्ण हो गयी है।

चार्टर्ड एकाउंटेंट्स देश के अर्थतंत्र के भरोसेमंद प्रवक्ता होते हैं। आप सरकार और कर देने वाले नागरिकों और कंपनियों के बीच पुल का काम करते हैं। एक चार्टर्ड एकाउंटेंट का हस्ताक्षर सत्यता की भरोसे की गवाही देता है। कंपनी बड़ी हो या छोटी, आप जिस खाते पर हस्ताक्षर कर देते हैं, उस पर सरकार भी भरोसा करती है और देश के लोग भी भरोसा करते हैं।

आज हमारा देश सकारात्मक और प्रगतिशील परिवर्तनों के दौर से गुजर रहा है। सरकार ने कई ऐसे परिवर्तनकारी और समय की मांग के अनुरूप आधुनिक कानून पास किए हैं जिनमें आपके क्षेत्र के लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। आप जो भी रास्ता चुनें उसमें सदैव यह ध्यान रखें कि उसमें शुद्धता हो, शुचिता हो, कम्प्लायंस हो और विश्वसनीयता हो।

वास्तव में "स्वयं से पहले सेवा" का मंत्र चार्टर्ड एकाउंटेंट के लिए बिल्कुल सटीक है। इसी सेवा भाव को आगे रखकर हमें अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए "इंडिया फर्स्ट (India First)" के दृष्टिकोण को अपनाना होगा।

जैसे-जैसे कारपोरेट क्षेत्र उन्नत पारदर्शिता और जवाबदेही के वातावरण में विकसित होता है, चार्टर्ड एकाउंटेंट को स्वतंत्रता के साथ काम करने और अधिकतम ईमानदारी बनाए रखने की आवश्यकता होती है। आपकी संस्था का आदर्श वाक्य है- " या एषा सुप्तेषु जागर्ति", इसका सार है- 'वह व्यक्ति जो नींद में सोने वाले व्यक्तियों के बीच जाग रहा है'।

इस आदर्श को प्राप्त करने के लिए आपको हमेशा सतर्क रहना होगा। आपको हमेशा जागृत रहना होगा तभी आप देश को एक पारदर्शी और भ्रष्टाचारमुक्त व्यवस्था देने में मदद कर सकते हैं।

आपको कानूनों और नियमों का पालन करते हुए बहुत ही उच्च स्तर के आत्म-अनुशासन को बनाए रखना है और नैतिकता के कोड के भीतर काम करना है।

साथियो, केवल धन कमाना हमारी अर्थव्यवस्था का उद्देश्य नहीं है। सामाजिक कल्याण के साथ-साथ अन्त्योदय हमारी बुनियादी सोच में शामिल हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि हमें हरेक मानव के जीवन में उत्थान लाने की दिशा में यत्न करना चाहिए।

भारत आज दुनिया का सबसे युवा देश है। आज, विश्व के लगभग 20% युवा हमारे देश में हैं। हमें उनकी ऊर्जा का सदुपयोग करना सीखना होगा। शिक्षा और सही कौशल के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाना आज के समय की मांग है। इसलिए यदि हम अपने देश के युवाओं को अच्छी तरह से प्रशिक्षित और कुशल बनाएं, तो वे राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान दे सकेंगे।

आज डिजिटल क्रांति और सूचना तकनीक का युग है, जिसने अर्थव्यवस्था को एक नई उड़ान दी है और यह समय नवाचार एवं व्यापार के नए तरीके का है। इसलिए आपको भी बदलते समय के अनुरूप अपने व्यवसाय में आधुनिकता और तीव्रता लानी होगी, तभी आप अपने-आपको नए वातावरण के अनुकूल ढाल पाएंगे।

हमारे देश के युवाओं के आदर्श स्वामी विवेकानन्द जी ने कहा था कि-"मुझे अपने देश में और विशेष रूप से अपने देश के युवाओं में विश्वास है।" आपको एक "Change Leader" बनना होगा। इतना ही नहीं, आप अपने-आप को विचारशील व्यक्ति यानी "Thought Leader" होने के लिए तैयार करें। आप अपने विचारों को विस्तृत होने दीजिए और अपने पंखों को भी विस्तार दीजिए। तभी सारा आकाश आपका होगा।

मैं एक बार पुनः इस संस्थान से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई देता हूँ और संस्थान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।